Dated: 15.10.2024

Deeksharambh: Student Induction Program 2024

Inauguration of "*Deeksharambh:* Student Induction Program 2024 (October15-28, 2024)" for newly admitted undergraduate students was organized at ICAR-Indian Agricultural Research Institute, New Delhi. The occasion was graced by Dr. R.C. Agrawal, DDG (Education), ICAR, New Delhi; Dr. T.R. Sharma, DDG (Crop Science) and Director & VC (Addl. Charge), ICAR-IARI, New Delhi; Dr. Anupama Singh, Joint Director (Education) & Dean, ICAR-IARI and Dr. Harshawardhan Choudhary, Associate Dean (UG), ICAR-IARI and other esteemed dignitaries from ICAR-IARI, alongwith faculty and newly admitted UG students from 13 hub campuses in online mode. The objective of this two-week orientation program is to familiarize the students with the institute, its culture, rules, resources, and more, so that they can embark on their academic journey smoothly and successfully. The invocation of program started with lighting of lamp, Saraswati Vandana and welcoming the dignitaries and audience, including parents of newly admitted UG students. Dr. Harshawardhan Choudhary, Associate Dean (UG), ICAR-IARI welcomed the audience and informed the house about 6th Dean's committee report. In her address, Dr. Anupama Singh, Joint Director (Education) & Dean, ICAR-IARI informed about well structured fortnightly Deeksharambh program which will provide students with a strong academic foundation, while also encouraging them to engage in sports, cultural events and social activities. She also highlighted that the efforts will be to not only provide high-quality academic education but also to inspire them to become better individuals. Dr. T.R. Sharma, DDG (Crop Science) and Director & VC (Addl. Charge), ICAR- IARI, New Delhi, congratulated the team for successful conduction of academically significant Student Induction Program and in his blessings highlighted the Mantra (3 D's : Dedication, Devotion and Determination; 3 H's: Honesty, Humility and Hardwork; 3 S's: Sincerity, sensitivity and Sense of belongingness) for being successful in life. In his address, Dr. R.C. Agrawal, DDG (Education),ICAR, New Delhi informed the audience about 'NEP-2020 – An opportunity for inclusive learning' and highlighted the importance of outcome based learning. He congratulated the institute for the meticulously planned program and informed that present batch of undergraduate is the Ist batch for adopting recommendations of 6th Dean's committee report. He also stressed and highlighted the growing strength of the girl students in agricultural program. An ICAR Documentary on "Opportunities through Agricultural Education" was also showcased after the address of the Chief Guest. The inaugural program concluded with words of thanks by Dr. Monika A. Joshi, Associate Dean (Hubs), ICAR-IARI, New Delhi.

In the second session, convened by Dr Atul Kumar, Associate Dean (PG); Dr. Harshawardhan Choudhary, Associate Dean (UG), ICAR-IARI gave an overview of the UG programme of The Graduate School, IARI. Dr. Anil Dahuja, IQAC Coordinator alongwith Dr. Monika A. Joshi, Chairperson, Standing Committee, ACC highlighted and discussed the ICAR-IARI's Academic Code of ConductDr. Akshay Talukdar, Controller of Examination, ICAR-IARI apprised the students regarding the attendance policy and the examination rules. The session concluded with

an overview of hostel rules and regulations briefed by Dr. D.K. Singh, Professor (UG), B.Tech. (Ag. Engineering).

The post-lunch session comprised of an online workshop on Academic Management System (AMS) of IARI wherein Dr. Sudeep Marwaha, HoD, Computer Applications, ICAR-IASRI, New Delhi and his team demonstrated AMS functioning. Various hub institutes also participated actively during the discussion and the respective queries were jointly taken care of by team IASRI and IARI. The evening session concluded with the interaction of students with Hostel Management and Dispensary staff organized under the supervision of Dr. R.S. Bana, Warden, Hemant hostel-cum-UG coordinator.

दीक्षारंभ: छात्र अभिविन्यास कार्यक्रम 2024

भा कृ अनु प -भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली में में 15 से 28 अक्टूबर 2024 तक "दीक्षारंभ: छात्र अभिविन्यास कार्यक्रम 2024" का उद्घाटन किया गया। यह कार्यक्रम नवप्रवेशित स्नातक छात्रों के लिए आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. आर.सी. अग्रवाल, उप महानिदेशक (शिक्षा), भा कृ अनु परिषद , नई दिल्ली; डॉ. टी.आर. शर्मा, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) और निदेशक एवं कुलपति (अतिरिक्त प्रभार), भा कृ अनु प –भा कृ अनु संस्थान, नई दिल्ली; डॉ. अनुपमा सिंह, संयुक्त निदेशक (शिक्षा) और डीन, भा कृ अनु प –भा कृ अनु संस्थान, तथा डॉ. हर्षवर्धन चौधरी, एसोसिएट डीन (यूजी), भा कृ अनु प –भा कृ अनु संस्थान, नई दिल्ली; उपस्थित थे। इसके अलावा, भा कृ अनु प –भा कृ अनु संस्थान, नई दिल्ली के अन्य गणमान्य व्यक्ति, संकाय सदस्य और 13 हब कैंपसों के नवप्रवेशित स्नातक छात्र ऑनलाइन माध्यम से जुड़े थे। दो सप्ताह के इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्थान, इसकी संस्कृति, नियमों और संसाधनों से परिचित कराना था, ताकि वे अपनी शैक्षिक यात्रा को सुचारू और सफलतापूर्वक आरंभ कर सकें। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना और अतिथियों एवं श्रोताओं का स्वागत करके की गई, जिसमें नवप्रवेशित छात्रों के माता-पिता भी शामिल थे। डॉ. हर्षवर्धन चौधरी ने सभा का स्वागत किया और 6वीं डीन समिति की रिपोर्ट के बारे में जानकारी दी। अपने संबोधन में, डॉ. अनुपमा सिंह ने विस्तार से बताया कि दीक्षारंभ कार्यक्रम छात्रों को मजबूत शैक्षणिक नींव प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संस्थान का प्रयास न केवल उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षणिक शिक्षा प्रदान करने का होगा, बल्कि उन्हें बेहतर व्यक्ति बनने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा।

डॉ. टी.आर. शर्मा ने कार्यक्रम की सफलता के लिए पूरी टीम को बधाई दी और अपने आशीर्वचनों में जीवन में सफलता के लिए 3 डी (समर्पण, निष्ठा और दृढ़ संकल्प), 3 एच (ईमानदारी, विनम्रता और कड़ी मेहनत) और 3 एस (ईमानदारी, संवेदनशीलता और अपनेपन की भावना) के मंत्र पर जोर दिया। मुख्य अतिथि डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - समावेशी शिक्षा का अवसर' पर चर्चा की और परिणाम आधारित शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने संस्थान द्वारा अच्छी तरह से योजनाबद्ध कार्यक्रम की प्रशंसा की और बताया कि इस बैच के स्नातक छात्र 6वीं डीन समिति की सिफारिशों को अपनाने वाले पहले छात्र हैं। साथ ही, उन्होंने कृषि शिक्षा में छात्राओं की बढ़ती संख्या पर भी जोर दिया। मुख्य अतिथि के संबोधन के बाद, "कृषि शिक्षा के माध्यम से अवसर" पर एक आईसीएआर डॉक्यूमेंट्री भी प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम के समापन में, डॉ. मोनिका ए. जोशी, एसोसिएट डीन (हब्स), भा कृ अनु प –भा कृ अनु संस्थान ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

भा कृ अनु प –भा कृ अनु संस्थान, नई दिल्ली में "दीक्षारंभ: छात्र अभिविन्यास कार्यक्रम 2024" के दूसरे सत्र की अध्यक्षता डॉ. अतुल कुमार, एसोसिएट डीन (पीजी) ने की। इस सत्र के दौरान, डॉ. हर्षवर्धन चौधरी, एसोसिएट डीन (यूजी), ने आईएआरआई के ग्रेजुएट स्कूल के स्नातक कार्यक्रम का अवलोकन प्रस्तुत किया। डॉ. अनिल दहूजा, आईक्यूएसी समन्वयक और डॉ. मोनिका ए. जोशी, चेयरपर्सन, स्थायी समिति (एसीसी), ने पूसा संस्थान के शैक्षणिक आचार संहिता पर चर्चा की । इसके बाद, डॉ. अक्षय तालुकदार, परीक्षा नियंत्रक, ने छात्रों को उपस्थिति नीति और परीक्षा नियमों के बारे में जानकारी दी। डॉ. डी.के. सिंह,

प्रोफेसर (यूजी), बी.टेक (कृषि अभियांत्रिकी), ने छात्रावास के नियम और विनियमों का संक्षिप्त परिचय दिया।

दोपहर के सत्र में, पूसा संस्थान के अकादमिक प्रबंधन प्रणाली (एएमएस) पर एक ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें डॉ. सुदीप मारवाह, विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर अनुप्रयोग, आईसीएआर-आईएएसआरआई, नई दिल्ली, और उनकी टीम ने एएमएस की कार्यप्रणाली का प्रदर्शन किया। विभिन्न हब संस्थानों ने इस चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया, और आईएएसआरआई और आईएआरआई की टीम ने उनके संबंधित प्रश्नों का संयुक्त रूप से समाधान किया।

शाम के सत्र का समापन छात्रों की छात्रावास प्रबंधन और डिस्पेंसरी कर्मचारियों के साथ चर्चा से हुआ, जिसका आयोजन हेमंत छात्रावास के वार्डन और यूजी समन्वयक, डॉ. आर.एस. बाना के निरीक्षण में किया गया।

Dr. T R Sharma
Dr. R. C. Agrawal
Dr. Anupama Singh